संघ शताब्दी वर्ष : भाग - 2

संघ के पुराने चेहरों से रूबरू करा रहा नवभारत

परचून की दुकान पर ग्राहकों से, तो चौक-चौपाल पर लोगों से कहते शाखा में जरूर आना

संघ के स्वयं सेवक मदनलाल भावसार चौधरी दिवंगत जरूर हो चुके हैं, लेकिन उनका आरएसएस में योगदान अविस्मरणीय रहेगा

शाजापुर, 23 सितंबर. परचून की दुकान की गद्दी पर बैठे चौधरी जी के यहां कोई राशन का सामान लेने कोई ग्राहक आता तो बातों ही बातों में उससे संघ की लगने वाली शाखा में आने की बात कह देते, यहां तक की मेहमानी करने जाते या चौक या चौपाल पर लोगों के बीच बैठते तो वहां भी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा का बखान करना नहीं भूलते. इस तरह की दिनचर्या शहर के भावसार मोहल्ला निवासी संघ के स्वयं सेवक स्व. मदनलाल भावसार की रहती.

उन्हें दिवंगत हुए सात साल हो चुके हैं. लेकिन उनका व उनके जैसे हजारों, लाखों स्वयं सेवकों व उनके परिजनों का का संघ के प्रति लगाव ही है जिससे 100 सौ साल पहले बीज के रूप में बोया गया संघ रूपी पौधा आज विशाल वट वृक्ष के रूप में तब्दिल हो चुका है.

राष्ट्रीय स्व्यं सेवक संघ के 27 सितंबर को 2025 को 100 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं. संघ के इस शताब्दी वर्ष को लेकर हर कहीं उत्साह का माहौल नजर आ रहा है. नवभारत द्वारा शाताब्दी वर्ष के इस महाउत्सव के दौरान संघ से जुडे ऐसे जाने-अनजाने स्वयं सेवकों व उनके परिजनों से चर्चा कर पुरानी यादें ताजे करने का बीड़ा उठाया है. इस दौरान कई रोचक तथ्य भी सामने आ रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर आपतकाल जैसे दंश की पीड़ा को उठा चुके संघ के सदस्यों, पदाधिकारियों व परिजनों की दुख व परेशानी की दास्तां भी सामने आती है. लेकिन इन सबके बीच यह बात जरूर सामने आईकि कठिनाई, समस्याओं से स्वयं सेवकों व उनके परिजनों का ना तो हौंसला टूटा और ना ही उनकी राह डगमगाई.

पिता की प्रेरणा से मिली स्वयं सेवक बनने की राह

स्व. मदनलाल भावसार चौधरी के बेटे महेश भावसार से नवभारत ने चर्चा कर उनके पिता व परिजनों का संघ के प्रति लगाव व उनके अनुभव को लेकर चर्चा की. महेश भावसार बताते हैं कि उनके पिता स्वं. मदनलाल भावसार का जन्म 16 जुलाई 1927 को एवं देहांत 2018 में हुआ था. साल 1950 के बाद वे संघ से जुडे, दादा स्व.घासीरामजी भावसार की प्रेरणा से वे संघ के प्रति आकर्षित हुए. इस दौरान द्वितीय सर संघ चालक माधव सदाशिवराम गोवलकर जी को उन्हें सुनने का मौका मिला, वे उनके इतने प्रभावित हो गए कि स्वयं सेवक बन गए.

साले साहब का ट्रांसफर कराने से मना कर दिया

महेश जी भावसार बताते हैं कि उनके पिता समर्पित व अनुशासित स्वयं सेवक रहे, एक बार की बात है कि मेरे मामा जी जो कि उस समय राजगढ़ जिले में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत रहे, जबकि उनका बचपन शाजापुर में ही गुजरा था. उनका हमसे काफी लगाव रहा था. ऐसे में कई लोग मेरे पिताजी से आकर कहते कि आप स्व्यं सेवक संघ में जिला व्यवस्थापक का काम संभाल रहे हैं नेता, अधिकारी, कर्मचारी भी आपकी बात मान लेंगे, आप अपने साले का ट्रांसफर शाजापुर में करवा लो, इस पर पिताजी ने कह दिया मैं नेता नहीं, स्वयं सेवक हूं, मेरा राजनीति से कोई लेना देना नहीं है. इसलिए में ना तो फोन लगा

धोती कुर्ता पहनते, लेकिन संघ के कार्यक्रमों में पूर्ण गणवेश में नजर आते...

वर्तमान शाजापुर शहर का माहौल किसी बडे गांव जैसा ही नजर आता था. इस दौरान अधिकांश लोग पारंपरिक परिधान पहनते थे, स्वयं सेवक मदनलाल भावसार धोती कुर्ता पहनते थे. लेकिन वे जब भी संघ संबंधित कार्यक्रमों में जाते तो पूर्ण गणवेश में नजर आते थे. रोजी रोटी के लिए परचून की दुकान चलाते थे, उनका संघ से ऐसा लगाव रहा कि कोई ग्राहक आता तो वे संघ की शाखा में आने का आग्रह कर देते वहीं किसी कार्यक्रम में जाते या चौक, चौपाल पर बैठते तो भी संघ की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों को बताना कभी नहीं भूलते.

कुछ लोगों ने कहा संघ का भविष्य नहीं, लेकिन उन्होंने कहा संघ मेरे दिल में

साल 1975 की बात है, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगा दिया गया. इस दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ निशाने पर आ गया. इस दौरान मदनलाल जी भावसार को भी पुलिस तलाश रही थी. उनके घर व दुकान पर भी उन्हें ढूंढने पुलिस आ गई. इस दौरान स्वयं सेवक मदनलाल भावसार अंडर ग्राउंड भी हुए. कई लोगों ने उनसे कहा कि संघ का भविष्य खतरे में है, इसमें क्या मिलता है इसे छोड़ दो, आराम से दुकान चलाओ और अपना घर परिवार देखो. इस पर मदनलाल जी भावसार ने कहा कि संघ मेरी रग-रग में है, संघ मेरी आत्मा है मैं शरीर हूं मैं इसे नहीं छोड़ सकता हूं. स्व. भावसार के तीनों बेटे माणकलाल, महेश और विजय को गर्व है कि उनके पिता संघ के स्वयंसेवक रहे.

एक नजर में

महिलाओं व बालिकाओं को पोषण के प्रति किया जागरुक

मक्सी, 23 सितंबर. आयुर्वेदिक अस्पताल प्रांगण में मंगलवार को पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया गया. कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी बेरछा नेहा जायसवाल ने उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को पोषण के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि घर का बना हुआ खाना ही सबसे स्वास्थ्यवर्धक होता है. इसलिए बच्चों और परिवार के सदस्यों को बाहर के खाद्य पदार्थ जैसे बिस्किट, मैगी, नूडल्स, कुरकुरे आदि नहीं देना चाहिए. क्योंकि यह स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं. किशोरियों को विशेष रूप से हरी सब्जियों के सेवन को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई. इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के एएमओ डॉ. रोहित कुशवाह एवं सीएएमओ डॉ. अर्चना शर्मा ने भी पोषण से संबंधित जानकारी साझा की. कार्यक्रम में नगर परिषद के कर्मचारी भी मौजूद रहे. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लक्ष्मी लोधी द्वारा सभी उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को पौष्टिक आहार ग्रहण करने व बाहरी खाद्य पदार्थों से दूरी बनाए रखने की शपथ दिलाई गई. कार्यक्रम का संचालन सेक्टर पर्यवेक्षक मधुबाला परमार ने किया.

नई सोयाबीन की आवक, किसानों का स्वागत किया

मोहन बड़ोदिया, 23 सितंबर. मोहन बड़ोदिया कृषि उपज मंडी में मंगलवार से नई सोयाबीन की आवक शुरू हो गई है. इस दौरान विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मंडी कर्मचारियों ने किसानों का स्वागत कर मंडी में फसल का नीलामी कार्य शुरू किया. मंडी में मंगलवार को नई सोयाबीन की कुल आवक 60 क्विंटल के करीब हुई, जो अधिकतम 4300 रुपए प्रति क्विंटल तक बिकी. कृषि उपज मंडी के सचिव सतीश कुमार सनोठिया ने बताया कि मोहन बड़ोदिया में इस वर्ष की नई सोयाबीन की आवक एवं अन्य उपज की आवक खरीब की फसल की आवक की मंडी प्रांगण में प्रारंभ हो चुकी है.

सिविल अस्पताल में हुआ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सुसनेर, 23 सितंबर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित सेवा पखवाड़ा अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक संचालित स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत सोमवार को नगर के सिविल अस्पताल में महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में आई 331 महिलाओं एवं 34 किशोरियों का नि:शुल्क पंजीयन कर एमडी मेडिसिन डॉ. डीएस परमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ बीएमओ डॉ. ब्रजभूषण पाटीदार, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शशांक सक्सेना, डॉ. यश रूपरिया, डॉ. शशांक वर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. परितोष ठाकुर, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा पाटीदार, डॉ. शिवानी सोनी सहित अन्य डॉक्टरो द्वारा उनका परीक्षण कर उचित परामर्श दिया गया एवं आवश्यक दवाइयां नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई. साथ ही शासन की स्वास्थ संबंधी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के कॉर्ड बनाकर लाभ दिया गया.

ब्लड, डायबिटीज, एनीमिया, टीबी व सिकल सेल की हुई जांच

शिविर के दौरान महिलाओं एवं किशोरियों की खून की जांच, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, कैंसर, रक्त अल्पता एनीमिया, टीबी, सिकल सेल, वजन एवं ऊंचाई सहित विभिन्न प्रकार की जांच कर उपचार किया गया. शिविर में गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों की नियमित जांच कर टीकाकरण कार्ड, आयुष्मान कॉर्ड, सिकल सेल कार्ड, मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड, आभा आईडी बनाकर दी गई. इस अवसर पर बीईई भरत भावसार, बीसीएम मुकेश सूर्यवंशी, नर्सिंग ऑफिसर रितेश राठौर, साधना मेश्राम, राजकुमारी वरकड़े, नेत्र परीक्षक सुरेश डाबर, एएनएम अंगुरी राजपाली, रीना योगी, पुष्पा राठौर, रमा यादव, संतोष चौहान सहित स्वास्थ कर्मी एवं आशा सुपरवाइजर उपस्थित रहे.

मानव श्रृंखला बनाकर किया स्वच्छता के प्रति जागरूक

सुसनेर, 23 सितंबर. स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय खेरिया में नवाचारी शिक्षक भेरूलाल ओसारा के मार्गदर्शन में मानव श्रृंखला निर्माण कर स्वच्छता नारों के साथ स्वच्छता जागरूकता के लिए लोगों को प्रेरित किया. साथ ही लोगों को जीवन शैली में भी सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न के बराबर करने का आव्हान किया गया, जिसमें विद्यालय के सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. इस अवसर पर संस्था परिवार से शिक्षक भूपेंद्र सिंह झाला, कैलाशचंद्र दांगी, तिलोकचंद्र पाटीदार, श्रीमती रेखा दांगी सहित रमेशचंद्र दांगी उपस्थित रहे.

मोड़ी में हुआ नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित

सुसनेर, 23 सितंबर. जिला आयुष अधिकारी डॉ. महेश चन्द्र कंडारिया के निर्देशन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय मोड़ी में 23 सितंबर को दशम आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयुर्वेद जन-जन के लिए पृथ्वी के कल्याण के लिए की थीम पर नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें डॉ. श्याम सुंदर कारपेंटर आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी द्वारा मरीजों का परीक्षण किया गया एवं नि:शुल्क औषधि वितरित की गई.

कोई नेता समर्थकों से ओवरलोड, तो कोई अकेले ही दौड़ा रहे इंजिन...

पोलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

'मेरा उसका साथ ऐसे, जैसे रेल की पटरियां, दूर से देखो तो गले लगी मिलती हैं, जो मीलों साथ तो निभाएं, लेकिन कभी एक ना हो पाएं.' कुछ ऐसा ही आलम है राजनीति में गुटबाजी की नींव रखने वाले नेताओं का भी है. भाजपा हो या कांग्रेस सभी जगह गुटबाजी की धूम है. या यूं कहें कि दोनों ही दलों में अपने-अपने कबीले हैं और हर कबीले का अलग सरदार है. कबीले के सरदार के समर्थक भी अपने कबीले के सरदार का ही हुकुम मानते हैं. भाजपा में इन दिनों कई कबीले (गुट) हैं. तो कांग्रेस तो कबीलों से मिलकर ही बनी हुई है. दोनों दलों के नेताओं की स्थिति रेल की पटरियों जैसी है. साथ तो चलते हैं, लेकिन मिलते नहीं हैं. जिस प्रकार रेलवे में क्रॉसिंग पर पटरियां मिलती हुई दिखती हैं. उसी प्रकार ये नेता बड़े नेताओं के कार्यक्रम में मिलते हैं, लेकिन वो भी एक-दूसरे को क्रॉस करके. भाजपा नेताओं की स्थिति पर गौर करें, तो इनका राजनीतिक जीवन भी ट्रेन से मिलता-जुलता ही है. एक होती है सवारी गाड़ी, जिसमें डिब्बे भी ज्यादा होते हैं और सवारी भी. एक होती है स्पेशल वेगन, जिसमें डिब्बे कम रहते हैं, लेकिन इसकी गति तेज रहती है. वहीं एक होती है हेरिटेज ट्रेन, जो लक्जरी होती है और जिसकी सवारी हर कोई नहीं कर सकता. चाहे प्रशासनिक प्लेटफॉर्म हो, राजनीतिक कार्यक्रम हो. यहां पर सवारी गाड़ी का ही जलवा है. और सवारी गाड़ी के समर्थक ही इन दिनों राजनीति की मुख्य धारा में है. जो लोग सवारी गाड़ी में सवार नहीं है, उनकी गाड़ी आउटर पर खड़ी है. नाराज भाजपा मालगाड़ी के रूप में आउटर पर ही खड़ी हुई है. भाजपा की बात करें, तो भाजपा संगठन की पटरी पर दौड़ती है और संगठन के आदेश पर सभी कबीले, सभी भाजपा की गाड़ियां एक प्लेटफॉर्म पर आ जाती है, लेकिन इसके उलट कांग्रेस की बात करें, तो कांग्रेस के कबीले के सरदार इतने मजबूत हैं कि वे पटरियां ही उखाड़ देते हैं. शुजालपुर में कांग्रेस की जीत को रोकने के लिए दो बार कांग्रेस के नेताओं ने ही पटरियां उखाड़कर कांग्रेस की विजय स्पेशल ट्रेन को यार्ड में खड़ा कर दिया था.

लोको पायलट नहीं बनाया, तो बन गए गैंगमेन

परिवर्तन हर जगह हो रहा है, ऐसे में राजनीति भी अछूती नहीं है. पहले भाजपा में संगठन का आदेश सर्वोपरि हुआ करता था, लेकिन अब सर्वोपरि हो गया है पद. कांग्रेस में तो बागी ही सबसे बड़ा नेता होता है. जो कांग्रेस संगठन को नैस्तो नाबुत करने की क्षमता रखता है, वो लोकप्रिय नेता होता है. भाजपा में भी अब ये परंपरा शुरू हो चुकी है. रेलवे की भाषा में समझें तो किसी कर्मचारी को यदि गाड़ी चलाने के लिए लोको पायलट नहीं बनाया, तो वो पटरियां उखाड़ने के लिए गैंगमेन बन जाता है. उसी तरह राजनीति में जिस नेता को चुनाव में टिकट नहीं मिलता या संगठन में पद नहीं मिलता, तो वो तत्काल बागी होकर संगठन की पटरियां (भीतराघात) उखाड़ने लग जाता है.

घर पहुंचो एक्सप्रेस भी चल रही और कुछ अकेले इंजिन बनकर दौड़ रहे हैं...

इन दिनों गुटबाजी के चलते कई नेताओं को घर पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस शुरू की गई है. तो कुछ नेता ऐसे हैं, जिनके पास डिब्बे तो नहीं है, लेकिन वो अकेला इंजिन बनकर ही दौड़ रहे हैं. कुछ इंजिन रूपी नेता इलेक्ट्रिक इंजिन से तेज चल रहे हैं, तो कुछ नेता ऐसे हैं, जो भाप इंजिन की तरह आज भी धुआं छोड़ रहे हैं, हॉर्न बजा रहे हैं, लेकिन आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं. और डीजल इंजिनों की भी कमी नहीं है लेकिन वो आउटर पर खड़े होकर राजनीतिक प्लेटफॉर्म पर आने के लिए बड़े नेताओं की हरी झंडी का इंतजार कर रहे हैं.

हरिराम जीवियों की भी अलग जमात...

शोले फिल्म से हरिराम चरित्र को आत्मसात करने वाले कई नेता दोनों ही दलों में हरिराम की भूमिका निभाने में पारंगत हैं. इन हरिरामों की दाद देना पड़ेगी कि जब तक ये पाना नहीं उतार देते हैं, इनके पेट में पानी भी नहीं जाता है. हरिराम जीवियों से बड़े नेताओं को फायदा ये है कि उन्हें लोगों का पाना मिल जाता है. लेकिन हरिराम जीवियों से नुकसान भी है कि ये कभी-कभी ये बड़े नेताओं का भी पाना उतार देते हैं. हरिरामों की जमात में इजाफा होने के कारण अब स्थिति ये हो गई है कि यदि चार नेता एकसाथ बैठे हैं, तो हर नेता सबसे आखरी में उठने की कोशिश करता है, ताकि उस दिन उसका पाना उतरने से बच जाए.

अंत में...

आर कंपनी के कप्तानों को पैवेलियन से किया बाहर, लेकिन टीम मैदान में डटी.

मां कालका के दरबार में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

सुरक्षा के मद्देनजर गरबा पंडालों और नगर में तीसरी आंख का पहरा

मक्सी, 23 सितंबर. शक्ति की उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्रि सोमवार से शुरू हो गया है. मक्सी नगर में एक रात पहले ही तैयारियां पूरी हो गई थीं. प्रमुख देवी मंदिरों को सजाया गया है. चुनरी, नारियल, पूजन सामग्री आदि की दुकानें सजकर तैयार हैं. सोमवार को घरों, पंडालों और देवी मंदिरों में कलश स्थापित कर मां के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के बाद मां की आराधना शुरू हो गई.

मक्सी नगर में मां नवदुर्गा के लगभग 20 पंडाल सजाए गए, जिसमे माता के नौ रूपों की मूर्ति को अलग-अलग पंडालों में विराजमान किया गया है, जो कि आकर्षण का केंद्र है. मक्सी नगर में भव्य रूप में मनाए जाने वाले नवरात्रि के विभिन्न दुर्गा पंडालों में भक्तों की भीड़ देखते ही बनती है. नगर के प्रगति युवा मंच स्टेशन रोड, जैन मंदिर मार्ग, जागृति युवा मंच राजमाता बस स्टैंड, लाल माता चौक बजरंग मोहल्ला, काला भाटा, मां कालका एकता युवा मंच, नया बाजार मक्सी की महारानी मंच, लोधी मोहल्ला शिव मंदिर मार्ग, हम्मालपुरा स्टेशन कॉलोनी, आशाराम कॉलोनी, नई कॉलोनी, कनासिया नाका आदि स्थानों पर आकर्षक दुर्गा पंडालों में माता की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई हैं. जहां माता की महाआरती में श्रद्धालु अपनी हाजरी लगा रहे हैं. नगर के विभिन्न दुर्गा पांडलों में माता की मूर्त के गरबों और माता के भजनों का आयोजन किया जा रहा है. वहीं दुर्गा पंडालों में समिति द्वारा कन्या भोज आयोजित किया जा रहा है.

इस बार कई शुभ योग

नवरात्रि में महालक्ष्मी राजयोग और रवियोग जैसे कई शुभ योग बन रहे हैं. इनमें सबसे खास 24 सितंबर को बनने वाला महालक्ष्मी राजयोग है. जब चंद्रमा और मंगल एक साथ तुला राशि में होंगे. इसके अलावा गजकेसरी योग, शुक्ल योग का भी संयोग बन रहा है और कई दिनों तक रवि योग भी रहेगा.

तृतीया तिथि का अद्भुत योग

ज्योतिषाचार्य विभोर इन्दुसुत के अनुसार तीसरा नवरात्र इस बार दो दिन 24 और 25 सितंबर को मनाया जाएगा. तृतीया तिथि 24 सितंबर से शुरू होकर 25 सितंबर सुबह 7.10 बजे तक रहेगी.

ऊर्जा संरक्षण पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

शाजापुर, 23 सितंबर. किला परिसर स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत ऊर्जा संरक्षण पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया.

जिसमें संकाय सदस्यों एवं छात्राओं ने अपने विचार प्रकट किए और ऊर्जा संरक्षण की शपथ ली. सभी ने ऊर्जा बचत के उपाय सुझाए. इसके पूर्व सोमवार को महाविद्यालय में सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. पी. मूंदड़ा, जेपी माथुर, श्रीमती दीपिका गुप्ता, आदित्य सक्सेना, डॉ. संदीप कुमार सिंह, डॉ. रितेश महाड़िक, डॉ. कपिल जाटव, श्रीमती शबाना कुरैशी सहित स्टाफ व छात्राएं उपस्थित रहीं.

एक नजर में

दशहरा उत्सव समिति ने शुभ मुहूर्त में किया भूमिपूजन, ईश्वर से की निर्विघ्न आयोजन की कामना

रावण के साथ मेघनाद और कुंभकरण के पुतले का भी होगा दहन

शाजापुर, 23 सितंबर. नवरात्रि पर्व के पहले दिन से दशहरे के आयोजन का भी श्री गणेश हो गया. इस दिन दशहरा उत्सव समिति द्वारा रावण दहन स्थल का शुभ मुहूर्त में पूजन किया. दशहरा उत्सव समिति संयोजक दीपक चौहान ने बताया कि इस बार 71 फीट ऊंचे रावण के साथ मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया जाएगा.

नगर में बरसों से दशहरा उत्सव का आयोजन धूमधाम से मनाया जाता है. इस वर्ष भी इस परंपरा का निर्वहन किया जाएगा. आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. समिति द्वारा नगर में धन संग्रह के बाद सोमवार को समिति अध्यक्ष की उपस्थिति में मैदान का पूजन किया गया. साथ ही दशहरा उत्सव समिति के फोल्डर का भी विमोचन किया गया. इस अवसर पर दशहरा उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ ही सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, महासचिव मनीष सोनी, सत्या वात्रे, संरक्षक नरेश कप्तान, धनराज गवली, पं. गोविंद शर्मा, बंटी सिकरवार, रामकृष्ण शर्मा, अंकित तंवर, पीयूष भावसार, राजेश पारछे, रोहित विश्वकर्मा, महेश प्रजापति, दीपक निगम, कैलाश सेन आदि उपस्थित थे.

आतिशबाजी का भी होगा आयोजन...

इस वर्ष समिति द्वारा आतिशबाजी की भी तैयारियां की गई हैं. जिसकी जिम्मेदारी नगर के आशीष गोठी को सौंपी गई है. जिनके द्वारा युद्ध के प्रतीक आतिशबाजी का बेहतरीन प्रदर्शन किया जाएगा. समिति सचिव मनीष सिसौदिया ने बताया कि इस बार की आतिशबाजी भव्य और आकर्षक होगी, जिससे नगरवासियों को पूरे आयोजन में आनंद आएगा. उन्होंने बताया कि इस बार के आयोजन को आकर्षक बनाने में सभी समिति सदस्यों ने मेहनत की है, ताकि आयोजन को भव्यातिभव्य रूप दिया जा सके.

मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले का भी होगा दहन...

2 अक्टूबर को दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. इस दिन शाम को श्री कृष्ण व्यायामशाला से चल समारोह प्रारंभ होगा, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ स्टेडियम पहुंचेगा. जहां 71 फीट ऊंचे रावण के पुतले के साथ ही 25-25 फीट के मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया जाएगा. रावण के साथ इन दोनों के पुतले का निर्माण भी अंतिम चरण में है, जिसे उज्जैन के अशोक राव द्वारा तैयार किया जा रहा है.

ब्लॉक स्तर पर आयोजित होंगे दशहरा मिलन समारोह

सुसनेर, अखिल भारतीय सौंधिया राजपुत महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक जामुनिया रोड पर स्थित एक निजी गार्डन में आयोजित की गई. भगवान श्री राम जी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर बैठक का शुभारंभ किया गया. समाज को एकजूट करने तथा उन्नति और विकास की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य से यह बैठक तीन सत्रो में सम्पन्न हुई. जिसमें प्रत्येक विकासखंड स्तर पर दशहरा मिलन समारोह आयोजित करने को लेकर निर्णय लिया गया. 16 नवंबर को प्रदेश स्तरीय मातृ शक्ति सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. इसके लिए सभी जिलों को संख्यात्मक रूप से लक्ष्य निर्धारित करने और उसकी सूची 10 अक्टूबर तक कार्यकारिणी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि ब्यावरा में 27 और 28 दिसंबर को युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. इसको लेकर प्रभारी भी बनाए गए. प्रथम सत्र के दौरान सभी जिलों ने विगत तीन माह का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं समीक्षात्मक विवेचना की. द्वितीय सत्र में दशहरा मिलन समारोह के लिए प्रभारी बनाए गए. तीसरे सत्र में अतिथियों का मागदर्शन प्राप्त हुआ. बैठक में अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष कालू सिंह परिहार, उदय सिंह चौहान, राष्ट्रीय महासचिव प्रताप सिंह सिसोदिया, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज कल्पोनी, प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन सिंह गुन्दलावदा, महासचिव संजय सिंह पंवार, प्यारे लाल, जनपद अध्यक्ष कालू सिंह जीरापुर, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राजपाल सिंह कलारिया, जितेंद्र सिंह आगर एवं आगर जिला अध्यक्ष बलवंत सिंह बोडाना आदि मौजूद रहे.

राष्ट्रीय प्रतीकों पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित

शाजापुर, 23 सितंबर. शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाजापुर में सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत 23 सितंबर को राष्ट्रीय प्रतीकों पर क्विज प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. प्रतियोगिता का संचालन प्रभारी शिक्षक अशोक पाटीदार, रविकांत त्रिपाठी एवं सुश्री साक्षी वर्मा के द्वारा किया गया. शिक्षक ओम प्रकाश पाटीदार, संतोष मालवीय, अनवर अहमद, श्रीमती भारती चौहान, श्रीमती रीता सचान, श्रीमती ज्योति धाकड़, बद्रीलाल नागर का सहयोग रहा. कक्षा 11वीं-12वीं में प्रथम देवेंद्र गुर्जर, द्वितीय जीवन गोयल, तृतीय हेमलता रही. कक्षा 9वीं-10वीं में प्रथम साधना प्रजापति, द्वितीय प्रद्युम्न कुंडला, तृतीय आरुषि मालवीय रही. इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक कुशलता, सामान्य ज्ञान एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया. विद्यालय परिवार द्वारा विजयी विद्यार्थियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया. साथ ही उज्ज्वल भविष्य की कामना की.